सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 12 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 13 फरवरी, 2024

योग हमें उन चीजों को ठीक करना सिखाता है जिसे सहा नहीं जा सकता और उन चीजों को सहना सिखाता है जिन्हे ठीक नहीं किया जा सकता।

–बी.के.एस. आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए... 7 | सपा के पीडीए दांव से फिसला... 3 | किसानों के नाम पर भाजपा की... 2

सड़क पर किसान, मोदी सरकार परेशान

अन्नदाता पर पुलिस ने ढाया कहर

- » शंभू बॉर्डर पर छोड़े गए आंसू गैस के गोले, अफरा-तफरी मची, रूमाल बांधकर भागते नजर आए किसान
- » कांग्रेस व आप ने किया किसानों का समर्थन
- » सरकार बोली- किसान के हित नहीं होंगे प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी जायज मांगों को लेकर नई दिल्ली की ओर पहुंच रहे किसानों पर मोदी सरकार की पुलिस ने जबरदस्त कहर बरपाया। दरअसल, न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर किसान बीजेपी सरकार से कई सालों से मांग कर रही है। इस बीच सोमवार को सरकार से उनकी बातचीत बेनतीजा रही। उधर इस मुद्दे पर सियासत भी गरमा गई। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए उसे तानाशाह करार दिया है।

उधर सरकार ने कहा है कि किसानों का हित में जो होगा वही किया जाएगा। पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों ने आज सुबह दिल्ली की ओर मार्च शुरू कर दिया है। उनके साथ केंद्रीय मंत्रियों की पांच घंटे से अधिक की बैठक बेनतीजा रही। किसानों की मुख्य मांग फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई समाधान नहीं निकला है। किसानों ने कहा कि हम अपनी मांगों को पूरा करवाकर ही जाएंगे। पंजाब-हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान संगठनों ने आज सुबह 10 बजे दिल्ली कूच किया। साल 2021 के प्रदर्शन की तरह ही इस बार भी किसान अपनी मांगों के लिए विरोध पर उतरे हैं। वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी को लेकर कानून बनाने समेत अपनी और कई मांगों को स्वीकार कराने के लिए विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए राज्यों की सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अम्बाला-पंजाब पर मौजूद शंभू बॉर्डर पर किसानों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए हैं। पूरा इलाका सफेद चादर में लिपट चुका है।

कंक्रीट के अवरोधक, लोहे की कीलों और कंटीली तारों से की बैरीकेडिंग

हरियाणा में प्रशासन ने कंक्रीट के अवरोधक, लोहे की कीलों और कंटीली तारों का इस्तेमाल कर अंबाला, जींद, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र और सिरसा में कई स्थानों पर पंजाब के साथ राज्य की सीमाओं पर सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी है। पंजाब और हरियाणा की सीमाओं पर कई स्थानों पर पानी की बौछारें करने वाली गाड़ियों समेत दंगा रोधी वाहन भी तैनात किए गए हैं। हरियाणा सरकार ने भी 15 जिलों में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत पाबंदियां लागू की हैं जिसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्रित होने और ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर रोक है।

केंद्रीय मंत्रियों के साथ किसानों की बैठक बेनतीजा

चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों के साथ किसानों की बैठक हुई। लगभग आधी रात तक बैठक जारी रही। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने किसान नेताओं के साथ वार्ता का नेतृत्व किया था। रात 11 बजे के बाद दोनों पक्षों के बीच बिजली संशोधन कानून 2020 को रद्द करने, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में मारे गए किसानों को मुआवजा देने और किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने पर सहमति बनी थी। लेकिन तीन प्रमुख मांगों पर कोई सहमति नहीं बनी जिसमें सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी, किसानों के कर्ज माफ करना और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना शामिल है।

ये है किसानों की मांग?

किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी के अलावा स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों व कृषि मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफ करने, पुलिस में दर्ज मामलों को वापस लेने, लखीमपुरी खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए "न्याय", भूमि अधिग्रहण कानून 2013 बहाल करने और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

किसानों की आवाज पर लगाम लगाना चाहती है सरकार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को किसानों के आंदोलन का समर्थन किया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के अन्नदाताओं से किए वादे तोड़ दिए। उन्होंने दावा किया कि सरकार अब किसानों की आवाज पर लगाम लगाने का प्रयास कर रही है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, कटीले तार, ड्रोन से आंसू गैस, कीले और बंदूकें, सबका है इंतजाम, तानाशाह मोदी सरकार ने किसानों की आवाज पर जो लगानी है लगाम ! उन्होंने कहा, याद है ना आंदोलनजीवी व परजीवी कहकर किया था बदनाम और 750 किसानों की ली थी जान। खरगे ने आरोप लगाया, 10 वर्षों में मोदी सरकार ने देश के अन्नदाताओं से किए गए अपने तीन वादे तोड़े हैं – 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी, स्वामीनाथन रिपोर्ट के मुताबिक लागत और 50 प्रतिशत एमएसपी लागू करना और एमएसपी को कानूनी दर्जा। अब समय आ गया है 62 करोड़ किसानों की आवाज उठाने का। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में आज कांग्रेस पार्टी किसान न्याय की आवाज उठाएगी। उन्होंने कहा, हमारा किसान आंदोलन को पूरा समर्थन है. न डरेंगे, न झुकेंगे !!।

यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि राहुल गांधी अंबिकापुर में किसान संघों के साथ बैठक कर रहे हैं और आज पंजाब, हरियाणा और यूपी के किसान दिल्ली की ओर मार्च करेंगे, जबकि पीएम मोदी की सरकार उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश करने से रोकने की कोशिश कर रही है। राजधानी...यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

भारत सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए बाध्य : मुंडा

किसानों के मार्च पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, परामर्श की आवश्यकता रहेगी। इसके लिए हमें राज्यों से बात करने की आवश्यकता है। हमें चर्चा करने के लिए एक मंच और समाधान ढूंढने की जरूरत है। भारत सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए बाध्य है। जनता को परेशानी में नहीं डालना चाहिए, किसान यूनियन को इसे समझना चाहिए।

सीजेआई से की कार्रवाई करने की मांग

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को पत्र लिखकर दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले किसानों पर उपद्रव पैदा करने और नागरिकों के दैनिक जीवन को परेशान करने का आरोप लगाते हुए स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने सीजेआई से अदालतों को निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया कि अदालतों के समक्ष वकीलों की गैर-मौजूदगी के कारण कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए।

किसानों के नाम पर भाजपा की दोमुंही नीति : अखिलेश

» बोले- अन्नदाता के साथ 10 साल से छल हो रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर किसानों के नाम पर छल प्रपंच की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान देने वाली सरकार अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जाने का ऐलान करने वाले किसानों को रोकने जैसा लोकतंत्र विरोधी कदम उठा रही है। यादव ने यहां एक बयान में आरोप लगाया, भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में किसानों को सिर्फ धोखा ही दिया है। भाजपा जोर जबरदस्ती से उनकी आवाज भी कुचलने का इरादा कर रही है।

उन्होंने कहा, किसान केन्द्र की अंधी-बहरी सरकार के कानों तक अपनी मांगे पहुंचाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं, मगर भाजपा सरकार उनको सुनना नहीं चाहती है। किसान अपनी परेशानियों की चर्चा न कर सकें इसके लिए दिल्ली की सीमा पर अवरोध खड़े किए जा रहे हैं। बार्डर सील कर सीमेंट के बैरिकेड लगा दिए गए हैं। किसानों के रास्ते में कीलें ठोक दी गई हैं। हरियाणा के सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। यादव ने कहा, भाजपा का चरित्र भी कम विरोधाभासी नहीं है। एक ओर केन्द्र सरकार ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न दिया, वहीं दूसरी तरफ वह कृषकों पर बल प्रयोग कर उन्हें उत्पीड़ित कर रही है। किसानों के नाम पर भाजपा की छल प्रपंच की दोमुंही नीति अस्वीकार्य है। समाजवादी पार्टी किसानों की हर मांग का समर्थन करती है। किसान देश का अन्नदाता है। उसका अपमान देश की जनता का अपमान है।

संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा, किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोकना भाजपा सरकार का लोकतंत्र विरोधी कदम है। भाजपा सरकार का कृत्य अमानवीय और संवेदनहीन है। संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने घोषणा की है कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए कानून बनाने सहित कई मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के वास्ते 200 से अधिक किसान संगठन 10 फरवरी को दिल्ली तक मार्च करेंगे।

किसानों को रोकने के लिए हरियाणा और दिल्ली में कई स्थानों पर कंक्रीट के अवरोधक, सड़क पर बिछने वाले नुकीले अवरोधक और कंटीले तार लगाकर राज्य सीमाओं को किले में तब्दील कर दिया गया है।

दस साल में मोदी सरकार ने किसानों का कर्ज माफ नहीं किया : उद्धव

छत्रपति संभाजीनगर। किसान संगठनों के दिल्ली चलो विरोध मार्च के आह्वान के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार से किसानों का फसल ऋण माफ करने और लोकसभा चुनाव का सामना करने की अपील की। मराठवाड़ा क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर किसानों के रास्ते में कांटे और कीले बिछाने और उनके खिलाफ पुलिस कर्मियों को तैनात करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में किसानों को फोन किए जा रहे हैं और उनसे पूछा जा रहा है कि क्या वे आगामी चुनाव में भाजपा को वोट देंगे। उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री था तब मैंने महाराष्ट्र में किसानों के लिए दो लाख रुपए तक की कर्ज माफी की घोषणा की थी और इसे लागू भी किया था। अगर मैं महाराष्ट्र में किसानों का कर्ज माफ कर सकता हूं तो पिछले दस साल से केंद्र में सत्ता में रही भाजपा सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती। सरकार को ऋण माफी देनी चाहिए और फिर इसके बाद चुनाव का सामना करना चाहिए। इ शिवसेना (यूबीटी) नेता ने दावा किया कि उनके पास एक फोन कॉल की रिकॉर्डिंग है जिसमें एक किसान ने फोन करने वाले से राज्य में सोयाबीन उत्पादकों की मदद के लिए केंद्र द्वारा अब तक उठाए गए कदमों के बारे में सवाल किया।

कौन जयंत, कौन रालोद : रामगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

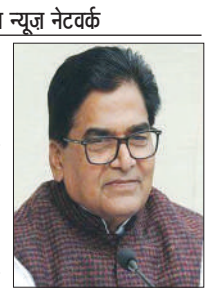

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का समाजवादी पार्टी से गठबंधन टूटने के चार दिन बाद ही सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के तेवर बदल गए। उन्होंने लोकदल व सपा गठबंधन टूटने के प्रश्न पर कहा कि कौन सी रालोद? कौन जयंत चौधरी? गठबंधन के बारे में रालोद से ही मालूम करिए। प्रो. रामगोपाल सपा प्रदेश मुख्यालय में विधायकों की बैठक में हिस्सा लेने के बाद जब बाहर निकले तभी पत्रकारों ने उनसे रालोद व जयंत चौधरी के पाला बदलने को लेकर प्रश्न किया था।

चार दिन पहले नौ फरवरी को जयन्त ने चौधरी ने चरण सिंह को भारत रत्न देने की प्रधानमंत्री की घोषणा पर सोशल मीडिया एक्स पर दिल जीत लिया लिखा था। छह वर्ष से सपा के साथी रहे रालोद के एनडीए में जाने पर अब प्रो. रामगोपाल ने कौन रालोद, कौन जयंत कहकर अपनी नाराजगी जता दी है। कांग्रेस के साथ गठबंधन के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि टिकटों को लेकर मंथन हो चुका है। गठबंधन की सीटों पर समझौता लगभग अंतिम है। अब इस बाबत कोई और बैठक नहीं हो रही है।

हवा में उड़ गए इंडी-भिंडी

गठबंधन : केशव मौर्य

» लोस चुनाव में यूपी की सभी 80 सीटें जीतेगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आइएनडीआइए गठबंधन की ओर इशारा करते हुए कहा कि इंडी-भिंडी गठबंधन हवा में उड़ गए हैं। अपनी उपलब्धियों के अंबार के कारण सिर्फ भाजपा के पास जनता से वोट मांगने का अधिकार है। सामाजिक समीकरण का सबसे शानदार गुलदस्ता भाजपा के पास है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी साबित होगी। कांग्रेस की यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, उसका जनाधार सिमटता जा रहा है।

बसपा का कहीं अता-पता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सुनामी के कारण पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद छप्पर के नीचे बैठे रामलला को उनके जन्मस्थल पर प्रतिष्ठित करने का दम 56 इंच की छाती वाले नरेन्द्र मोदी में ही था।

बंगाल को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा: टीएमसी

» तृणमूल ने की स्मृति ईरानी की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के नरसंहार वाली टिप्पणी के लिए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर जोरदार हमला करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य को सांप्रदायिक आधार पर बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। भाजपा ने मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह (बनर्जी) हिंदुओं के नरसंहार के लिए जानी जाती हैं और अब अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को महिलाओं पर यौन हमला करने की अनुमति दे रही हैं।

इसके बाद नई दिल्ली में ईरानी ने यह सख्त टिप्पणी की। टीएमसी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल को धर्म के आधार पर बांटने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने को लेकर लगातार एजेंडा चलाने का आरोप लगाया। टीएमसी नेता एवं मंत्री बीरबाहा हंसदा ने कहा, हम जानते हैं कि भाजपा को विपक्ष-शासित राज्यों में हर

घटना का राजनीतिकरण करना है, लेकिन ईरानी को अपना राजनीतिक चश्मा उतार देना चाहिए। राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में महिलाओं के एक समूह द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के स्थानीय बाहुबली नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों ने बलपूर्वक जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और उनका यौन उत्पीड़न किया।

मणिपुर व महिला पहलवानों पर बोलती बंद

मणिपुर से लेकर उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली तक, जहां प्रदर्शनकारी पहलवानों को सड़कों पर घसीटा गया, लेकिन केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर बात नहीं की। हंसदा ने कहा, बंगाल की महिलाएं उन्हें बांटने की कोशिश को खारिज कर देंगी। वरिष्ठ टीएमसी नेता और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने आश्चर्य जताया कि ईरानी भाजपा-शासित डबल इंजन वाले राज्यों, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर चुप क्यों है? उन्होंने कहा, कल ही, उत्तर प्रदेश के एटा जिले में एक खेत से एक नाबालिग का शव बरामद किया गया था। पिछले साल नवंबर में, चार लोगों ने कौशांबी जिले में 19-वर्षीय बलात्कार पीड़िता की हत्या कर दी, क्योंकि उसने आरोपियों के खिलाफ मामला वापस लेने से इनकार कर दिया था। ईरानी ने इस पर बात क्यों नहीं की। उन्हें पहले इस पर बोलना चाहिए था। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस सोमवार सुबह केरल से कोलकाता पहुंचे और सीधे संदेशखालि गए। पुलिस ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के कई अन्य विधायकों को संकटग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने से रोक दिया।

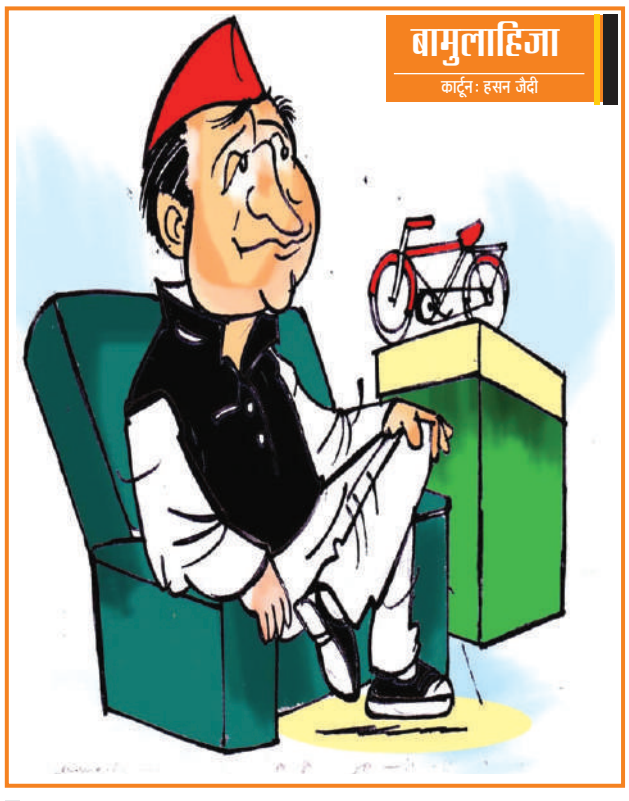

हल्द्वानी में दोषी अधिकारी कर रहे मौज : माहरा

» कांग्रेस का आरोप- अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा हिंसा प्रकरण में दोषी अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। माहरा का यह बयान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उस घोषणा पर आया है जिसमें उन्होंने कहा कि बनभूलपुरा में अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर पुलिस थाना बनाया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा, पुलिस थाना बनाने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के दौरान जो सावधानियां लेनी चाहिए थीं, वे उन्होंने क्यों नहीं लीं?

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि जिन लोगों ने हमला किया, उनके

खिलाफ सख्त कार्वाई होनी चाहिए लेकिन इसके लिए जो अधिकारी दोषी हैं, उनके खिलाफ भी कार्वाई होनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अगर सावधानियां ली जातीं तो इतने लोग नहीं मारे जाते। ऐसी स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि बनभूलपुरा में माहौल खराब होने और खतरे की आशंका होने की स्थानीय खुफिया तंत्र की रिपोर्ट को अधिकारियों ने अनदेखा किया। माहरा ने कहा कि कार्वाई के लिए शाम चार बजे का समय चुना गया जब अगले दो घंटे में अंधेरा होने वाला था।

सपा के पीडीए दांव से फिसला भाजपा का पांव!

भाजपा ने उत्तर प्रदेश में साधे जातीय समीकरण

राज्यसभा चुनाव : प्रत्याशियों के चयन पर दिखा असर

» ओबीसी चेहरों पर लगाया दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीडीए व जातीय जनगणना के दम पर यूपी की 80 लोक सभा सीटों पर कब्जा जमाने की जुगत में जुटी समाजवादी पार्टी की रणनीति से घबराई बीजेपी ने राज्य सभा के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। इस सूची से ऐसा आभास होता के पिछड़ों का सपा की तरफ झुकाव की वजह से भाजपा ने ओबीसी के प्रत्याशियों को ज्यादा तरजी दी है। ज्ञात हो कि आगामी लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के भरोसे भारतीय जनता पार्टी को शिकस्त देने का दम भरने के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने समीकरण साधने के लिए पिछड़ों पर आंख गड़ा दी है। राज्य से भाजपा के सात उम्मीदवारों में चार पिछड़ी जाति से हैं।

राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित सात उम्मीदवारों में आरपीएन सिंह (सैंथवार), चौधरी तेजवीर सिंह (जाट), अमरपाल मौर्य (कोइरी) और डॉक्टर संगीता बलवंत (बिंद) पिछड़ी जाति से हैं। इनके अलावा डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी (ब्राह्मण) साधना सिंह (क्षत्रिय) और नवीन जैन (जैन) बिरादरी से आते हैं। उत्तर प्रदेश की कुशीनगर से पूर्व सांसद और देश के पूर्व गृह राज्य मंत्री आरपीएन सिंह वर्ष 1996, 2002 और 2007 में उत्तर प्रदेश की पडरौना सीट से विधायक रहे। वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए 59 वर्षीय आरपीएन सिंह को पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। कुशीनगर के सैंथवार शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले सिंह पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी बिरादरी के बड़े नेता माने जाते हैं। वह वर्ष 2009 में कुशीनगर से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए और 2009 से 2011 तक केंद्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री रहे। सिंह अक्टूबर 2012 तक तत्कालीन कांग्रेसनीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में गृह राज्य मंत्री रहे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में वह कुशीनगर सीट से चुनाव लड़े लेकिन उन्हें भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार से पराजय का सामना करना पड़ा। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से करीब एक महीना पहले जनवरी माह में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें विधानसभा चुनाव से ऐन पहले भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्य को कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से विधानसभा चुनाव हराने का भी श्रेय मिला था। भारतीय जनता पार्टी ने सुधांशु त्रिवेदी को एक बार फिर उत्तर प्रदेश से राज्यसभा का टिकट दिया है। अक्टूबर 2019 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए त्रिवेदी की पहचान एक विश्लेषक, विचारक और राजनीतिक सलाहकार के तौर पर की जाती है। वर्तमान में वह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। विभिन्न मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए विख्यात सुधांशु त्रिवेदी पर भाजपा ने एक बार फिर भरोसा किया है और उन्हें लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया है। भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के महामंत्री अमरपाल मौर्य को भी संसद के उच्च सदन में भेजने का फैसला किया है। मौर्य लंबे समय से संगठन से जुड़े हैं और कोइरी समाज के प्रमुख नेता माने जाते हैं। क़रीब 45 वर्षीय अमरपाल मौर्य उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के करीबी माने जाते हैं। भाजपा के राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवारों में शामिल जाट समाज से आने वाले चौधरी तेजवीर सिंह मथुरा से पूर्व सांसद थे और इन दिनों सहकारिता आंदोलन में सक्रिय थे। राज्यसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से भाजपा की एक अन्य उम्मीदवार संगीता बलवंत योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की पिछली सरकार में सहकारिता राज्य मंत्री थीं और 2022 के विधानसभा चुनाव में वह गाजीपुर सदर सीट से 1600 मतों से पराजित हुई थीं। भाजपा ने उत्तर प्रदेश से चंदौली जिले की पूर्व विधायक साधना सिंह को भी संसद के उच्च सदन में भेजने का फैसला किया है। साधना को तेज तर्रार महिला नेताओं में शुमार किया जाता है। पार्टी के एक अन्य राज्यसभा उम्मीदवार नवीन जैन आगरा नगर निगम के पूर्व महापौर हैं। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए मथुरा से तीन बार सांसद रहे चौधरी तेजवीर सिंह को भी टिकट दिया है। सिंह मथुरा से वर्ष 1996, 1997 और 1998 में सांसद निर्वाचित हुए थे। वह जाट समुदाय के लोकप्रिय नेता माने जाते हैं।

अखिलेश भाजपा को नहीं देना चाहते श्रेय

अखिलेश ने इस जवाब से एक ओर अपने सजातीय और समर्थक अन्य हिन्दू मतदाताओं को संदेश दिया है कि वह राम लला के दर्शन के विरोधी नहीं हैं लेकिन किसी को इसका श्रेय नहीं देना चाहते हैं। दूसरी ओर उन्होंने अपने मुस्लिम वोट बैंक को भी संदेश दिया है कि सपा उनके साथ खड़ी है। लेकिन, कांग्रेस और बसपा नेता साथ में आ गए। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद जिस तरह का माहौल है, इन नेताओं को अंदाजा रहा होगा। दोनों ही दलों के नेताओं को रामलला के दरबार में जाकर अपने क्षेत्र में हिंदू मतदाताओं का समर्थन हासिल करने का रास्ता बना लिया है।

विधानसभा का कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल से संबंधित नही : मोना

विधानसभा के बाहर उस समय नजारा देखने लायक रहा जब विधानसभा में कांग्रेस की नेता आराधना मिश्रा मोना और बसपा के उमाशंकर सिंह भी बस में सवार हो गए। दोनों राम मंदिर में मुख्यमंत्री के पीछे ही बैठे नजर आए। दोनों के एनडीए विधायकों के साथ अयोध्या जाने के बाद राजनीतिक हल्कों में चर्चा शुरू हो गई है। रालोद, सुभासपा, निषाद पार्टी, अपना दल के विधायक भी साथ थे। हालांकि कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा का कहना है कि यह कार्यक्रम प्रदेश सरकार या भाजपा का नहीं था, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विधायकों से रामलला दर्शन के लिए चलने का आग्रह किया था। विधानसभा का कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं है, इसलिए वह रामलला के दर्शन करने गई।

राम मंदिर भ्रमण के सहारे भी राजनीति

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में न जाने पर आम लोगों के रिएक्शन का असर कहें या खुद के विवेक का फैसला, रामलला के दरबार में भाजपा सरकार के मंत्रियों व विधायकों के साथ बसपा, रालोद और कांग्रेस विधायक भी शामिल हुए। हालांकि, समाजवादी पार्टी ने यह दूरी अब भी बनाए रखी। श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए देश के सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया था। कांग्रेस ने इसे भाजपा का कार्यक्रम करार देते हुए जाने से इन्कार कर दिया था। समाजवादी पार्टी ने भी किनारा कर लिया। तब इंडिया गठबंधन में शामिल रालोद ने भी दूरी बना ली थी। बसपा से भी कोई समारोह में शामिल नहीं हुआ था। योगी सरकार ने समारोह में विपक्षी दलों के नेताओं के शामिल न होने को न सिर्फ मुद्दा बनाया बल्कि रणनीति के तहत बजट सत्र के दौरान विधानसभा के सभी विधायकों के एक साथ अयोध्या दर्शन का दांव चल दिया। विश्लेषकों का कहना है कि लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश की जनता को संदेश देने के लिए सरकार के मंत्रियों के साथ विधायकों का रामलला दर्शन का कार्यक्रम रखा गया और ठोस रणनीति के तहत सभी दलों को आमंत्रित किया गया। संदेश साफ था कि जो दल साथ नहीं आएंगे उन्हें जनता की अदालत में कटघरे में खड़ा किया जा सकेगा। जानकार बताते हैं कि इस रणनीति का सियासी मतलब न निकाला जा सके इसलिए विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और सीएम योगी ने सभी विधायकों से रामलला के दर्शन करने के लिए चलने का आग्रह किया। लेकिन, सपा अपने स्टैंड पर कायम रही। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सदन में दो टूक जवाब दिया था कि वह किसी सरकार या विधानसभा अध्यक्ष के बुलावे पर नहीं जाएंगे। जब भगवान राम बुलाएंगे तब दर्शन के लिए जाएंगे।

रालोद में भी उठा-पटक की चर्चा

समाजवादी पार्टी गठबंधन से अलग होकर आरएलडी अब एनडीए गठबंधन के साथ चली गई है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के बाद जयंत चौधरी ने मीडिया के सामने इसके संकेत दे दिए थे, सपा गठबंधन से अलग होने के बाद कुछ रिपोर्टस में दावा किया गया कि आरएलडी के चार विधायक नाराज चल रहे हैं और वो पार्टी के फैसले से खुश नहीं हैं। अब इन खबरों का आरएलडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने खंडन किया है। उन्होंने कहा, किकुछ न्यूज चैनल ये पुख्ता खबर चला रहें हैं कि हमारे कुछ विधायक जयंत चौधरी से नाराज हैं व

रालोद में घमासान है। आरएलडी का हर विधायक,पदाधिकारी और एक-एक कार्यकर्ता चौधरी जयंत सिंह जी के हर फैसले के साथ है, अफवाहों पर ध्यान ना दें! ऐसे न्यूज चैनलों को कहानियां बुनने के अलावा कुछ नहीं आता! दरअसल, बीते दो दिनों से आरएलडी के चार विधायकों के नाराज होने की अटकलें चल रही थी। कुछ मीडिया रिपोर्टस में कहा गया था कि आरएलडी के सपा गठबंधन से अलग होने और एनडीए में शामिल होने के जयंत चौधरी के फैसले से विधायक खुश नहीं हैं। लेकिन अब अनिल दुबे और जैनब सिकंदर ने इन खबरों और दावों का खंडन कर दिया है। बता दें कि अब यूपी में आरएलडी के नौ विधायक हैं, इस बार विधानसभा चुनाव आरएलडी ने सपा के साथ गठबंध में लड़ा था और 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद उपचुनाव में भी एक सीट पर जीत दर्ज की थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

किसानों की अनदेखी भारी न पड़ जाए!

सारे दावं लगाने के बाद भी लगता है बीजेपी सरकार किसानों का मन नहीं जीत पा रही है तभी तो किसानों ने दिल्ली में सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन करने की धमकी दे दी है। इस धमकी के बाद सरकार बेचैन हो गई है उसने किसानों को येन-कन प्रकारेण रोकने की साजिश शुरू कर दी। अब सवाल यह है कि आखिर समय-समय पर किसान या अन्नदाता बीजेपी सरकार के खिलाफ उग्र क्यों हो जाता है।

किसानों को अपने पाले में बचाए रखने के लिए मोदी सरकार ने भारत के पूर्व पीएम व यूपी के सीएम रहे चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा कर दी। उसके कुछ दिनों बाद उनके विरासत को संभाल रहे उनके पोते जयंत चौधरी ने एनडीए से पींगे बढ़ा लिए। सारे दावं लगाने के बाद भी लगता है बीजेपी सरकार किसानों का मन नहीं जीत पा रही है तभी तो किसानों ने दिल्ली में सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन करने की धमकी दे दी है। इस धमकी के बाद सरकार बेचैन हो गई है उसने किसानों को येन-कन प्रकारेण रोकने की साजिश शुरू कर दी। अब सवाल यह है कि आखिर समय-समय पर किसान या अन्नदाता बीजेपी सरकार के खिलाफ उग्र क्यों हो जाता है। इस पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि किसान भारत के लिए बहुत महत्पूर्ण है। सरकारों को सोचना चाहिए कि अगर किसान अपने जिद पर आ गया तो उसे सत्ताशीन से सत्ताहीन बना देगा।

इसलिए किसी को भी किसानों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसी आंदोलन के मद्देनजर दिल्ली में धारा 144 लागू कर दिया गया है। किसानों के प्रोटेस्ट को देखते हुए पुलिस ने फैसला लिया है। पुलिस सोशल मीडिया से लेकर हम हर चीज को मॉनिटर कर रही है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में 11 तारीख से ही अपनी व्यवस्था शुरू कर दी थी, 1200 जवानों को लामबंद किया गया है, अब तक जो जानकारी मिली है उसके अनुसार सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर थोड़ा दबाव रहेगा, बड़ी सड़कों पर हमने प्रमुख इंतज़ाम किए हैं और छोटी सड़कों पर भी नजर बनाए हुए हैं, बॉर्डर पर हमने बहुपरतीय सुरक्षा और चेकिंग की व्यवस्था की है। फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी के लिए कानून बनाने सहित कई मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसान 13 फरवरी को दिल्ली मार्च करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने दावा किया कि देश भर से 200 से अधिक किसान संघ दिल्ली चलो मार्च में भाग लेंगे। दिल्ली में सिंघू सीमा से ड्रोन दृश्य जहां 13 फरवरी को दिल्ली मार्च के लिए किसानों के आह्वान से पहले पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। अपनी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले कानून की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित पड़ोसी राज्यों के किसानों के 13 फरवरी को प्रस्तावित दिल्ली चलो मार्च के बाद दिल्ली में प्रवेश करने की उम्मीद है। यात्रियों को राष्ट्रीय राजधानी की तीन सीमाओं पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध के बारे में सचेत किया गया। किसान नेता ने कहा कि केंद्र ने उन्हें अपनी मांगों पर चर्चा के लिए 12 फरवरी को बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संकट में संजीवनी बनती है छोटी-सी आशा

रेनू सैनी

जापान एक ऐसा देश है जिसने हर त्रासदी के बाद स्वयं को संभाला है। वर्ष 1945 में इसके दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका ने परमाणु बम गिराया था। वह बम इतना घातक था कि आगे आने वाली पीढ़ियों ने भी उसके दुष्परिणाम भुगते। अनेक कवियों और लेखकों ने उस त्रासदी को अपनी कलम से कलमबद्ध किया था। धर्मवीर भारती ने नाटक अंधायुग में निम्न शब्दों में विश्व को चेतावनी देते हुए मानो जापान की पीड़ा को स्वर दे दिया था।

मैं हूं व्यास/ ज्ञात क्या तुम्हें है परिणाम इस ब्रह्मास्त्र का? यदि यह लक्ष्य सिद्ध हो ओ नर पशु!/ तो आने वाली सदियों तक पृथ्वी पर रसमय वनस्पति नहीं होगी/ शिशु होंगे पैदा विकलांग और कुंठाग्रस्त/ सारी मनुष्य जाति बौनी हो जाएगी। इन शब्दों से युद्ध की भयावह विभीषिका को समझा जा सकता है। जापान पर जब परमाणु बम गिरे तो हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। उस समय मानो वहां सब कुछ खत्म-सा हो गया, सब थम-सा गया। लेकिन जापान एक ऐसा देश है जो कीबो के कारण हर पीड़ा और त्रासदी से बाहर निकलना जानता है। 'कीबो' शब्द से आप को भी यही लग रहा होगा न कि भला यह कौन-सा चमत्कारी शब्द है जिससे हर दुख-दर्द और व्यथा से बाहर निकलना संभव है। 'कीबो' शब्द जापानियों की देन है। इसका हिन्दी में अर्थ होता है, 'आशा की छोटी-सी किरण'। आशा की एक छोटी-सी किरण भी घनघोर अंधकार को दूर कर देती है। आशा की एक छोटी-सी किरण संजीवनी बूटी का काम करती है। जिस व्यक्ति को यह मिल जाती है, उसे मानो नया जीवन प्राप्त हो जाता है। आशा की किरण के संदर्भ में आज से ही नहीं अपितु सदियों से यह कहा जाता रहा है कि इससे व्यक्ति जाग्रत होकर नई मंजिलें और कामयाबी प्राप्त करता है। जब सब कुछ खत्म हो जाए लेकिन केवल आशा की एक नन्ही किरण हाथ में हो तो फिर से सब कुछ पाया जा सकता है। ग्रीक पुराकथाओं में इससे संबंधित एक रोचक कथा भी है। इस कथा का नाम 'पंडोरा बॉक्स' है। इस कथा के अनुसार ज्यूस को प्रोमेथ्यूस पर गुस्सा आया कि उसने आग के रहस्य को मनुष्य को क्यों सौंप दिया? ज्यूस अब प्रोमेथ्यूस से बदला लेने की योजना बनाने लगा।

एक दिन उसने उसके भाई एपीमेथ्यूस का परिचय बहुत ही सुंदर युवती पंडोरा से करा दिया। कुछ ही

दिनों में एपीमेथ्यूस पंडोरा के प्रेम में दीवाना हो गया। उसे पंडोरा के सिवा कुछ नजर ही न आता था। पंडोरा की नजरों से दूर होते ही वह बेचैन हो जाता। हर जगह उसे ऐसा प्रतीत होता कि मानो पंडोरा उसे मुस्करा कर देख रही है और अपने पास बुला रही है। आखिर जब एपीमेथ्यूस से पंडोरा का विरह बर्दाश्त होना मुश्किल हो गया तो उसने उससे विवाह का निश्चय किया। विवाह में ज्यूस भी उन्हें आशीर्वाद देने के लिए आए। अब ज्यूस का प्रतिशोध मानो पूरा होने जा रहा था। उसने पंडोरा को एक सुंदर-सा बॉक्स देते हुए कहा कि, 'बस इसे अपने पास संभाल कर रखना। कभी खोलने का प्रयत्न न करना, अन्यथा अनर्थ हो जाएगा।' पंडोरा ने मुस्करा कर वह बॉक्स ले लिया। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, वैसे-वैसे पंडोरा के मन में उस डिब्बे को लेकर कौतूहल बढ़ता जाता। लेकिन एपीमेथ्यूस के सामने वह उस बॉक्स को खोल नहीं पाती थी। एक दिन एपीमेथ्यसू किसी काम से बाहर जाने लगा। वह जाते-जाते पंडोरा को बोल कर गया, 'बॉक्स का ध्यान रखना और हां इसे खोलने का कतई प्रयास न करना।' पंडोरा ने सहजता से सिर हिला दिया। लेकिन जैसे ही एपीमेथ्यूस घर से बाहर निकला, पंडोरा स्वयं पर काबू नहीं रख पाई। वह भागकर बॉक्स के पास गई। उसे उठाया और खोल दिया। पर यह क्या? बॉक्स खोलते ही ऐसी अकल्पनीय दुष्टता बाहर आई, जिसने हमेशा के लिए नश्वर संसार पर धावा बोल दिया। यह देखकर भय से पंडारा उसे बंद करने के लिए भागी, उसने देखा कि बॉक्स में सबसे नीचे, आशा की भावना एलपिस बची हुई थी। वही उस बॉक्स में एकमात्र अच्छी चीज थी, जो सबसे आखिर में बची रह गई। बस तभी से यह कहा जाने लगा कि, 'एक उम्मीद हमेशा रहती है।' इसी एक उम्मीद को जापानी 'कीबो' कहकर पुकारते हैं। द्वीप के प्राकृतिक संसाधनों एवं भूकंप व सुनामियों के लगातार बने रहने वाले संकट के बीच जापानियों को अनेक संकटों का सामना करना पड़ा।

परंतु उन्होंने आशा की एक छोटी-सी किरण के सहारे ही हर संकट का सामना किया और उसे सफलतापूर्वक पार किया। वे हर पीड़ा और परेशानी से उबर कर इस तरह सामने आए कि मानो कोई समस्या थी ही नहीं। जापानी 'कीबो' शब्द को बहुत ही प्रभावी मानते हैं। इसलिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के जापानी मॉड्यूल का नाम भी 'कीबो' है। इसे अंतरिक्ष में प्रयोग करने के लिए तैयार किया गया। इसे जापान एरोस्पेस एक्सपलोरेशन एजेंसी ने तैयार किया था।

जिंदादिल और आत्मनिर्भर बुजुर्गों की हंसी

क्षमा शर्मा

पिछले कुछ समय से स्विट्जरलैंड के शहर जिनेवा में हूं। बीमार पड़ी तो डाक्टर के पास जाना पड़ा। यहां भारत की तरह नहीं है कि जब चाहें डाक्टर से समय मिल जाए, बहुत समय लगता है अप्वाइंटमेंट मिलने में, लेकिन मैं किस्मत वाली थी। अगली दोपहर डाक्टर के पास बैठी थी। एक चीज जो बार-बार चकित होकर देख रही थी कि डाक्टर से मिलने बेहद बूढ़े स्त्री-पुरुष आ रहे थे। वे अकेले थे। उनके साथ कोई नहीं था। लेकिन इस बात की कोई चिंता दिखाई नहीं देती थी। उनकी चाल में बेहद मस्ती थी। वे झुककर भी नहीं चल रहे थे। वे सीधे चलते आते थे। और उनमें से कई तो निश्चय ही नब्बे साल या उससे ऊपर रहे होंगे। वे बैठते थे। फिर पास बैठे व्यक्ति से बातचीत में तल्लीन हो जाते थे। आपस में बातचीत करके बात-बात पर खिलखिला रहे थे। वे डाक्टर के पास से भी खुश-खुश निकल रहे थे। समझ में नहीं आ रहा था कि वे इतने खुश क्यों थे।

आखिर डाक्टर के पास आप किसी बीमारी को लेकर ही आते हैं, जिसके कारण चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन चिंता की जगह उनके चेहरे पर खुशी और हंसी दिखाई देती थी। शायद उसका कारण यह होगा कि वे सोचते हैं कि अगर कोई बीमारी है तो उसका इलाज भी है। और इलाज डाक्टर ही कर सकता है। बीमारी से डरने के मुकाबले उसका इलाज कराएं। फिर यहां उनके इलाज, उनके जीवन की जिम्मेदारी सरकार की होती है। सरकार अपने नागरिकों की सुख-सुविधा का पूरा ध्यान रखती है। इसके अलावा यह सोच भी है कि जीवन एक बार ही मिलता है। उसे ठीक तरह से जिया जाए। यहां चिकित्सा सुविधाएं भी बहुत अच्छी हैं। हर एक आदमी का चिकित्सा बीमा होना अनिवार्य है। इनके मुकाबले अपने देश पर नजर डालें। बीमार पड़ने पर हम अक्सर डाक्टरों के पास जाने से बचते हैं। बीमारी का इलाज कराने के मुकाबले हम सोचते हैं कि कैसे भी यह अपने आप ठीक हो जाए। पचास साल की उम्र में ही जैसे हम खुद को बूढ़ा मान लेते हैं और सोचते हैं कि अब गए कि तब गए।

कुछ अधिक उम्र होने से डाक्टर के पास जाने के लिए किसी सहारे की जरूरत तलाशते हैं। इसीलिए आप पाएंगे कि अस्पतालों में मरीजों से ज्यादा उनकी देखभाल करने वालों की भीड़ होती है। अस्पतालों में भी सारी भागदौड़ का काम अटेंडेंट के जिम्मे होता है। दस बार बुलाने जाएं तो नर्स आ पाती है। जिस अनुपात में मरीज हैं, उस अनुपात में चिकित्सा सुविधाएं बहुत कम हैं। किसी का इस ओर ध्यान भी नहीं जाता। बहुत से अस्पतालों में गंदगी भी बेशुमार है। कई बार गलत इलाज की खबरें भी आती हैं। बहुत से लोग इलाज कराने इसलिए भी नहीं जा पाते कि उनके पास पर्याप्त साधन नहीं होते, जागरूकता भी नहीं होती। सरकारी अस्पतालों के अलावा प्राइवेट अस्पतालों का इलाज इतना महंगा है कि हो नहीं पाता। लोग बिल भरने की आर्थिक स्थिति में नहीं होते। इसका एक बड़ा कारण अपने देश की आबादी भी है। जिस पर वोटों की खातिर कोई सरकार नियंत्रण भी नहीं करना चाहती। इसीलिए संसाधन अगर उपलब्ध भी कराए जाएं तो वे लोगों तक ठीक से पहुंचते नहीं हैं।

संयुक्त परिवारों के बिखरने से हमारे यहां के बुजुर्गों की हालत दयनीय है। उनमें से बहुतों के पास भरण-पोषण के साधन नहीं हैं। परिवार होते हुए भी परिवार को उनकी परवाह नहीं है, तो वे इलाज कैसे कराएं। साधन कहां से जुटाए जाएं। एक अनुमान के अनुसार अपने यहां दस करोड़ बुजुर्ग बताए जाते हैं। इनके वोट तो सभी को चाहिए लेकिन इनकी दुरावस्था को ठीक करने की कोई योजना नहीं बनाई जाती। यहां के बुजुर्गों को देखती हूं और अपने यहां के बुजुर्गों के बारे में सोचती हूं, तो मन खिन्नता से भर उठता है। यहां के बुजुर्ग बेशक अकेले हैं मगर सरकार उनके साथ है। वे स्वाभिमान का जीवन जी सकते हैं। सही इलाज पा सकते हैं। वे अस्सी-नब्बे साल की उम्र में भी मॉल्स में ट्राली लेकर अपना सामान खरीदते नजर आते हैं। सड़कों पर दौड़ते दिखते हैं। कई जगह तो खेलते भी दिखाई देते हैं। इसमें बुजुर्ग महिलाएं भी पीछे नहीं रहतीं। हाल ही में एक परिचित ने बताया कि नब्बे साल की एक महिला ने ड्राइविंग लाइसेंस का टेस्ट पास किया है। वे तमाम आयोजनों में युवाओं की तरह ही बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

दरअसल, उनके पास अपने देश वाला अनेक जन्मों का विचार नहीं है, इसलिए वे जीवन को भरपूर जीते हैं। जबकि हम जीवन को इसी भरोसे छोड़े रहते हैं कि इस जीवन में कुछ अच्छा नहीं है, तो अगले जीवन में होगा और इस जीवन में जो दु:ख तकलीफें मिल रही हैं, वे पिछले जन्मों के पापों का परिणाम हैं। और भगवान की मर्जी के कारण ऐसा हो रहा है। शायद यही वजह कि जिनके पास सारे साधन मौजूद हैं, वे भी डाक्टरों के पास समय से नहीं जाना चाहते। वे डाक्टर से उम्मीद करते हैं कि वह उनके मन की बात करे। यानी कि कभी किसी बीमारी के होने की बात न बताए। जबकि डाक्टर का काम ही बीमारी को खोजना और उसका निदान करना है। अगर बीमारी खोजी ही नहीं जाएगी तो उसका इलाज कैसे होगा। कई लोगों को यह कहते सुना है कि डाक्टर के पास जाएंगे तो न जाने क्या निकाल दे। अरे, भाई निकलेगा, तो वही जो आपके शरीर में होगा। डाक्टर कोई अपने पास से तो कुछ नहीं निकाल देगा। अक्सर डाक्टर के पास हम तब जाते हैं, जब मर्ज बिगड़ चुका होता है। बेहतर है कि पहले ही चले जाएं जिससे न खुद तकलीफ पाएं और न दूसरों को दें।

वैलेंटाइन डे का हर दिन होता है प्यार को बढ़ावा देने वाला

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जा रहा है। हालांकि प्यार के सप्ताह की शुरुआत 7 फरवरी से होती है। 7 फरवरी से 14 फरवरी तक वैलेंटाइन सप्ताह मनाया जाता है, जिसका हर दिन प्यार को बढ़ावा देने वाला होता है। जिसे आप पसंद करते हैं, उसे गुलाब का फूल, टेडी और चॉकलेट देकर इम्प्रेस करते हैं तो वहीं प्रपोज और प्रॉमिस के साथ प्यार को जाहिर करने की कोशिश करते हैं। इन सभी चरणों से होते हुए प्यार परवान चढ़ता है। वैलेंटाइन वीक के लिए बाजार सज चुके हैं। फूलों की दुकानें गुलाब से गुलजार हैं। वैलेंटाइन सप्ताह का एक दिन खास गुलाब के नाम होता है।

वैलेंटाइन वीक

7 फरवरी से 14 फरवरी तक वैलेंटाइन वीक मनाया जाता है। वैलेंटाइन सप्ताह के पहले दिन यानी 7 फरवरी को रोज डे मनाया जाता है। इस दिन आप अपने पार्टनर, दोस्त या किसी खास को गुलाब का फूल देकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं।

रोज डे का इतिहास

वैलेंटाइन सप्ताह में रोज डे मनाने की एक खास वजह है। मुगल बेगम नूरजहां को लाल गुलाब पसंद थे। जहांगीर नूरजहां को खुश करने के लिए रोजाना एक टन ताजे लाल गुलाब उनके महल भेजा करते थे। उनकी यह प्रेम कहानी काफी प्रसिद्ध हो गई। इसके अलावा एक कहानी महारानी विक्टोरिया के दौर की है। जब लोग अपनी भावनाएं जताने के लिए गुलाब का फूल एक दूसरे को देते थे। इसी परंपरा को जारी रखने के लिए वैलेंटाइन सप्ताह का एक दिन रोज डे के तौर पर मनाया जाता है।

गुलाब के हर रंग का होता है खास मतलब

लाल गुलाब

लाल रंग प्यार का, सुहाग का प्रतीक होता है। शादीशुदा महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए लाल रंग का जोड़ा, लाल रंग का सिंदूर और लाल चूड़ियां पहनती हैं। वहीं लाल रंग का गुलाब भी इसी तरह के प्यार को दर्शाता है। अगर आप अपने साथी को रोज डे पर गुलाब देना चाहते हैं तो लाल रंग सबसे उपयुक्त रहेगा। लाल रंग का फूल प्यार की गहराई को दर्शाएगा। वहीं अगर आप किसी से इजहार ए मुहब्बत करना चाहते हैं तो भी लाल रंग का फूल उन्हें तोहफे में दें।

भावनाओं के मुताबिक करें रंग का चयन

पीला गुलाब

पीला गुलाब किसी रिश्ते की शुरुआत का भी प्रतीक है। दरअसल कोई भी रिश्ता मजबूत तब होता है, जब उसमें मैत्रीपूर्ण भावनाएं शामिल हों। रोज डे पर पीले रंग का गुलाब भी दिया जा सकता है। पीला फूल दोस्ती का प्रतीक होता है। अगर आप किसी से दोस्ती करना चाहते हैं तो इस दिन का इंतजार करें। पीला गुलाब देकर उनसे दोस्ती करना चाहते हैं ये जाहिर कर दें। अगर साथी आपके गुलाब को मंजूर कर लेता है तो समझिए उसने आपकी दोस्ती को स्वीकार कर लिया यहां से दोस्ती की नई शुरुआत होती है।

गुलाबी गुलाब

पिंक गुलाब देखने में तो खूबसूरत लगता ही है, साथ ही इसके रंग का भी खास अर्थ होता है। पिंक गुलाब उन्हें दिया जा सकता है, जो आपके जीवन में खास हों। यह रंग प्यार व रिश्ते की गहराई का अहसास दिलाने या अहमियत को जाहिर करने का प्रतीक है। आप अपने बेस्ट फ्रेंड को पिंक गुलाब दे सकते हैं। धन्यवाद बोलना चाहते हैं तो भी पिंक रोज देकर अपना आभार व्यक्त करें।

नारंगी गुलाब

नारंगी गुलाब आकर्षण का प्रतीक है। अगर आप किसी को पसंद करते हैं और उनके साथ अपने रिश्ते को दोस्ती से एक कदम आगे बढ़ाना चाहते हैं तो नारंगी रंग का गुलाब दें। इस रंग का गुलाब देकर आप सामने वाले को बता सकते हैं कि आप उन्हें पसंद करते हैं। उन्हें समझना चाहते हैं और आप दोनों के रिश्ते को अधिक वक्त देना चाहते हैं। किसी को इज्जत देने के लिए भी नारंगी गुलाब दिया जा सकता है।

हंसना मना है

पापा- बेटी, बड़ी हो के क्या करोगी? बेटी- शादी... पापा- गलत बात है... अभी से किसी का बुरा नहीं सोचते...!

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा- अपनी शादी के लिए! तुम मां से मिलकर देखो, प्रेमी बोला- नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाए कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

जब तुम काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हो तो मुझे हमेशा घबराहट होती रहती है... पत्नी ने अपने सेल्समैन पति से शिकायत करते हुए कहा, पति- घबराओ नहीं प्रिये मैं इतनी जल्दी वापस आऊंगा कि तुमको पता भी नहीं चलेगा... पत्नी- तुम्हारी यही हरकत तो मेरी घबराहट का असल कारण है...

सालीः अच्छा जीजू एक बात बताओ... ससुराल में दामाद का इतना सम्मान क्यों होता है? जीजाः क्योंकि वे लोग जानते हैं कि यही वो महान आदमी हैं जिसने हमारे घर का तूफान संभाल रखा हैं...

कहानी — कछुआ और खरगोश

एक वक्त की बात है, किसी घने जंगल में एक खरगोश रहता था, जिसे अपने तेज दौड़ने पर बहुत घमंड था। उसे जंगल में जो दिखता, वो उसी को अपने साथ दौड़ लगाने की चुनौती दे देता। दूसरे जानवरों के बीच वो हमेशा खुद की तारीफ करता और कई बार दूसरे का मजाक भी उड़ाता। एक बार उसे एक कछुआ दिखा, उसकी सुस्त चाल को देखते हुए खरगोश ने कछुए को भी दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। कछुए ने खरगोश की चुनौती मान ली और दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गया। जंगल के सभी जानवर कछुए और खरगोश की दौड़ देखने के लिए जमा हो गए। दौड़ शुरू हो गई और खरगोश तेजी से दौड़ने लगा और कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर पहुंचने के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे कछुआ कहीं नहीं दिखा। खरगोश ने सोचा, कछुआ तो बहुत धीरे-धीरे चल रहा है और उसे यहां तक पहुंचने में काफी वक्त लग जाएगा, क्यों न थोड़ी देर आराम ही कर लिया जाए। यह सोचते हुए वह एक पेड़ के नीचे आराम करने लगा। पेड़ के नीचे सुस्ताते-सुस्ताते कब उसकी आंख लग गई, उसे पता भी नहीं चला। उधर, कछुआ धीरे-धीरे और बिना रुके लक्ष्य तक पहुंच गया। उसकी जीत देखकर बाकी जानवरों ने तालियां बजानी शुरू कर दी। तालियों की आवाज सुनकर खरगोश की नींद खुल गई और वो दौड़कर जीत की रेखा तक पहुंचा, लेकिन कछुआ तो पहले ही जीत चुका था और खरगोश पछताता रह गया।

कहानी से सीख- इस कहानी से यही सीख मिलती है कि जो धैर्य और मेहनत से काम करता है, उसकी जीत पक्की होती है और जिन्हें खुद पर या अपने किए हुए कार्य पर घमंड होता है, उसका घमंड कभी न कभी टूटता जरूर है।

7 अंतर खोजें

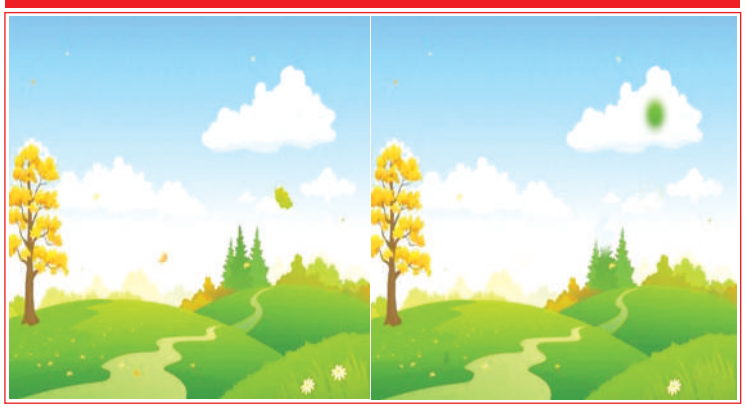

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। निवेश लाभदायक रहेगा।

वृषभ

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह

तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें।

कन्या

वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं।

धनु

मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है।

मकर

लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं।

कुम्भ

मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन

पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें।

बॉलीवुड | एन्ट्री

ब्रह्मानंदम बॉलीवुड फिल्मों में लगाएंगे हंसी का तड़का

टॉलीवुड के दर्शकों को तो हाल ही में कॉमेडी का नया मसाला मिला है। साथ ही बॉलीवुडवालों के लिए भी अच्छी खबर है। कॉमेडी के किंग मशहूर टॉलिवुड कॉमेडियन ब्रह्मानंदम बॉलीवुड में अपनी वापसी करने जा रहे हैं। पूरे 25 साल के अंतराल के बाद वह कमबैक कर रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में उन्होंने लंबे समय बाद टॉलीवुड में भी वापसी की है। यहां उनकी मौजूदगी को काफी समय से मिस किया जा रहा था। ब्रह्मानंदम ने 'कीड़ा कोला' से अपना कमबैक किया है। बॉलिवुड स्क्रीन पर कई सालों बाद नजर आने वाले कॉमेडियन ब्रह्मानंदम इस बार गुरु रंधावा की फिल्म में नजर आएंगे। रंधावा की यह फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' है, जिससे गुरु खुद भी अपना डेब्यू बतौर हीरो कर रहे हैं। इसमें एक्ट्रेस सई मांजरेकर भी होंगी जो 'मेजर' और 'स्कंद' जैसी फिल्मों में अपने रोल के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म को जी अशोक डायरेक्ट कर रहे हैं। ब्रह्मानंदम का इस फिल्म में कैसा किरदार होगा, इससे जुड़ी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह तो फिल्म देखने पर ही पता चलेगा। यह फिल्म 16 फरवरी को रिलीज होने वाली है। ऑडियंस भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ब्रह्मानंदम की कॉमेडी का मजा दोबारा लेने के लिए। गौरतलब है टॉलिवुड कॉमेडियन की पहली हिंदी फिल्म अमिताभ बच्चन की 'सूर्यवंशम' थी। जहां फैंस उनका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे वहीं, खुद ब्रह्मानंदम भी फिर से अपनी हंसी का जादू चलाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। मजेदार बात तो यह है कि जैसे ही ब्रह्मानंदम ने टॉलिवुड में अपनी वापसी की, तभी से उनके पास दूसरे निर्माता-निर्देशकों के प्रस्ताव भी आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि साउथ के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' और राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आ सकते हैं। वहीं बॉलीवुड से भी उन्हें दूसरे आफर्स मिलने की बात कही जा रही है। अब देखना बाकी है कि यह कॉमेडी का सरताज किस फिल्म में अपनी किरदार से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। ब्रह्मानंदम ने तेलुगू सिनेमा में अपना अहम योगदान दिया है। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं। जिनमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई।

फिल्म में महिला एनआईए की कार्रवाई साहसिक : यामी

यामी गौतम की आगामी फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर जारी हो चुका है। ट्रेलर में कश्मीर घाटी का हालात बयां किए गए हैं। फिल्म आर्टिकल 370 को हटाने में किस तरह के प्रयास और जटिलताएं सामने आईं इसकी एक झलक भी देखी जा सकती है। यह फिल्म 23 फरवरी को रिलीज होगी। अब फिल्म की रिलीज से पहले यामी गौतम ने पोस्ट साझा कर बताया है कि वे फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं। साल 2012 में विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले यामी गौतम ने कई भारतीय भाषाओं की फिल्मों में काम किया। पिछले साल ओएमजी 2 के साथ बड़े पर्दे पर धूम मचाने के बाद, अभिनेत्री आर्टिकल 370 थ्रिलर के साथ आने के लिए उत्साहित हैं। इंडस्ट्री में विभिन्न शैलियों में काम करने के बाद, यामी गौतम अपने करियर की पहली एक्शन फिल्म के साथ आने के लिए भी काफी उत्साहित हैं। आर्टिकल 370 दर्शाता है कि कैसे भारत सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर को दिए गए विशेष दर्जे को रद्द कर दिया। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म से जुड़े होने के अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में उन सभी लोगों और एजेंसियों की भी प्रशंसा की, जिन्होंने मिशन को सफल बनाने के लिए सहयोग किया है। यह वास्तव में सबसे अविश्वसनीय ऑपरेशनों में से एक था। इस ऑपरेशन के लिए अलग-अलग एजेंसियां एक असंभव कार्य को अंजाम देने के लिए एक साथ आईं, जिसने भारतीयों की किस्मत बदल दी, वह भी बिना किसी को इसकी भनक लगे। यामी ने लिखा, मैं हमारे दर्शकों को उन घटनाओं को दिखाने के लिए उत्साहित हूं, जिनके बारे में किसी को पता भी नहीं है और हमारी फिल्म में और भी बहुत कुछ है। विशेष रूप से महिला एनआईए अधिकारी द्वारा की गई साहसिक कार्रवाई, जिसे देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

23 फरवरी को रिलीज होगी आर्टिकल 370

साउथ इंडस्ट्री में नजर आएंगी मृणाल

मृणाल ठाकुर इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक है। बीते कुछ समय में वे एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में नजर आईं। अपने अभिनय और दमदार भूमिका से मृणाल ने एक अलग पहचान बनाने में सफलता हासिल की है। टीवी की दुनिया से निकलकर मृणाल बड़े पर्दे पर नजर आईं और दर्शकों के दिल में खास जगह बना ली। कई सफल हिंदी फिल्मों में काम करने के बाद अभिनेत्री अब साउथ इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। इस बीच चर्चा है कि मृणाल ने तमिल के दो दिग्गज निर्देशकों की फिल्मों को साइन किया है। हाल ही मृणाल तेलुगु फिल्म हाय नन्ना में नजर आई थी। फिल्म में अपनी भूमिका के लिए मृणाल की खूब सराहना हुई थी। रिपोर्ट्स की माने तो अब मृणाल एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे शिवकार्तिकेयन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इस फुल ऑन एंटरटेनमेंट फिल्म का नाम एसके 23 है। इसके अलावा सिम्बु जिन्हें एसटीआर के नाम से भी जाना जाता है। उनकी 48वीं फिल्म में भी मृणाल रोमांस करती नजर आएंगी। इस फिल्म को देशसिंह पेरियासामी निर्देशित करेंगे। वहीं, कमल हासन इस फिल्म से निर्माता के तौर पर जुड़े हुए हैं। इन दोनों फिल्म में मृणाल के काम करने की चर्चा ने साउथ में उनके फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल, मृणाल विजय देवरकोंडा के साथ अपनी अपकमिंग तेलुगु फिल्म फैमिली स्टार की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन परशुराम पेटला कर रहे हैं, जो 5 अप्रैल, 2024 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में भाषा में रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेत्री नवजोत गुलाटी की पूजा मेरी जान में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ हुमा कुरैशी ने मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी में भी मृणाल अहम किरदार निभाती नजर आएंगी।

दिग्गज निर्देशकों के साथ बैक-टू-बैक दो और फिल्में की साइन!

अजब-गजब

इकलौता एयरपोर्ट जो बन रहा है एलियंस अड्डा

फिर दिखा रहस्यमयी काला जहाज

हमारी ज़िंदगी विज्ञान ने काफी बदल दी है और हम उन चीजों के बारे में बात करने लगे हैं, जो पहले बहुत बड़ी बात मानी जाती थीं। मसलन हमारे लिए अंतरिक्ष में मौजूद चीजों की बात करना या उनकी कल्पना करना आसान नहीं था, लेकिन अब इसके बारे में खूब बाते करते हैं। इतना ही नहीं कुछ देशों में तो ये भी दावे किए जाते हैं कि वहां एलियंस या यूएफओ को देखा गया है। यूनाइटेड किंगडम के कुछ सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक Stansted Airport पर कुछ ऐसा देखा जा रहा है, जो बेहद संदिग्ध है। ऐसा नहीं है ये पहली बार हो रहा है, ये नजारा यहां आम हो चुका है। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक लंदन के स्टैंस्टेड एयरपोर्ट पर रहस्यमयी काला क्राफ्ट दिखने के बाद ब्रिटिश सरकार से अपील की जा रही है कि मामले की जांच की जाए। जब Ryanair प्लेन 230 मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आसमान में उड़ रहा था, तभी उसे अपने 20 मीटर की रेंज में एक काले रंग का रहस्यमय जहाज दिकाई दिया। बताया जा रहा है कि पिछले 6 साल में इसेक्स में देखा गया ये इस तरह का 27वां रहस्यमय जहाज है। इसे लोग यूएफओ यानि उड़न तश्तरी कहते रहे हैं, जिसे ड्रोन मॉनिटरिंग सिस्टम भी डिटेक्ट नहीं कर पाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पायलट ने इसे काले रंग का एयरक्राफ्ट बताया है, जो उत्तर से दक्षिण की ओर आ रहा था। एक अन्यय रिपोर्ट में बताया गया है कि इस तरह की उड़न तश्तरियों का रंग चमकता हुआ हरा होता है, बादलों में ही खो जाते हैं। Stansted Airport से सालाना 2।7 करोड़ लोगों का आना-जाना होता है। यहां हवाई जहाज उड़ाने वाले कई पायलट्स का कहना है कि उन्हें उड़न तश्तरी सरीखे ऑब्जेक्ट हवा में दिखाई देते हैं। कभी ये एयरक्राफ्ट के 500 फीट नीचे दिखे हैं तो कभी 20 मीटर आगे। रक्षा मंत्रालय की यूएफओ इंवेस्टिगेशन यूनिट में रह चुके नाइक पोप ने इन घटनाओं को रोचक बताया और कहा है कि सरकार को इन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। इतना ही नहीं लीड्स में तो ढाई किलोमीटर के अंदर 9 यूएफओ देखी जा चुकी हैं। यहां अक्सर उड़न तश्तरियां दिखाई देने का दावा किया जाता रहा है।

दिल के आकार का है ये हॉलिडे स्पॉट, आती है इटैलियन फील

गर्मियों की छुट्टियां मनाने के लिए यूरोप से एक फेवरेट जगह है। यहां के कई देश पर्यटन के लिए खास तौर से मशहूर हैं। कई टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी लोकप्रिय होने के कारण भीड़ भाड़ वाले हो जाते हैं जिससे लोग दूसरे तरह के डेस्टिनेशन तलाशते नजर आते हैं। मजेदार बात यह है यूरोप इस मामले में भी किसी को निराश नहीं करता है। क्रोएशिया में दिल के आकार इस्त्रिया प्रायद्वीप ऐसा ही हॉलिडे स्पॉट है। इस्त्रियां की खास बात यही है कि यह सस्ता और एकांतदायी तो है ही, लेकिन यहां आने वालों को ऐसा लगता है कि वे इटली आ गए हैं। जबकि इसके बीच, प्राकृतिक नजारे और गतिविधियों की लोग खासी सराहना करते हैं। इससे भी रोचक बात यह है कि ये क्रोएशिया का लोकप्रिय और प्रसिद्ध डेस्टिनेशन में नहीं गिना जाता है। कई लोग इस्त्रिया को सीक्रेट डेस्टिनेशन के तौर पर देखते हैं जहां पर्यटकों के करने के लिए काफी कुछ रहता है। आसपास के इलाकों के बीच पर सेवाएं जहां बहुत महंगी होती जा रही हैं, लोग ऐसे में इस्त्रिया जाने की सलाह देते हैं, जहां की प्राकृतिक छटाएं और वातावरण में खासतौर से इटली का अहसास होता है। इस्त्रिया की सबसे खास बात यहां के खूबसूरत सफेद रेत के बीच हैं। प्लेसेस ऑफ जुमा को यहां का रियल ड्रीम बीच कहा जाता है। इसके अलवा केप कामेनजैक नेचर पार्क भी काफी पसंद किया जाता है। यहां कई चट्टानों के बीच बहुत सारे शांत स्विमिंग पूल मिल जाते हैं। बीच और वाइनयार्ड के अलावा यहां की ऐतिहासिक इमारतें भी कम आकर्षक नहीं हैं। इस्त्रिया का अपना ऐतिहासिक महत्व भी है और यहां की ऐतिहासिक इमारतें लोगों को इटली की याद दिलाती हैं। पॉला का रोमन एम्फीथिएटर दुनिया का छटा सबसे बड़ा ऐतिहासिक थिएटर है। इसके अलवा ट्रम्फियल आर्च, द डोर ऑफ हरक्यूलस, द टेम्पल ऑफ ऑगस्टस और स्मॉल रोमन थिएटर भी भीड़ खींचते हैं। इस्त्रिया का मौसम, यहां की पुरानी इमारतें और प्राकृतिक वातावरण पूरी तरह से इटली की याद दिलाती हैं। इसके अलावा इस्त्रिया में क्रोएशिया के सबसे बड़ा वाटरपार्क है जिसे एक्वापार्क पोरेक एक्वाकलर्स कहा जाता है। यहां की वाटर स्लाइड स्पैशपूल आदि लोगों को खास पसंद आते हैं।

लोगों की जेब पर डाका डाल रही मोदी सरकार

न्याय यात्रा के दौरान मोदी सरकार पर बरसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोरबा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि देश में लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है और वे महंगाई की मार का सामना कर रहे हैं। उन्होंने हाल में अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि पिछले महीने हुए इस बड़े कार्यक्रम में कोई गरीब, मजदूर या बेरोजगार मौजूद नहीं था, जबकि केवल अडाणी, अंबानी जैसे अरबपति और फिल्मी सितारे ही नजर आए थे।

गांधी ने सोमवार सुबह छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर के सीतामढ़ी क्षेत्र से अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' फिर से शुरू की और वहां एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से जागने की अपील की और दावा किया कि लोगों की जेब पर डाका डाला जा रहा है और उन्हें गुमराह किया जा रहा है। जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि देश में पिछड़े, दलित और आदिवासी 74 फीसदी हैं, लेकिन इन समुदायों का एक भी व्यक्ति भारत की उन शीर्ष 200 कंपनियों का मालिक या प्रबंधन में शामिल नहीं है जिन्हें देश का पूरा पैसा दिया जा रहा है।

देश की 74 फीसदी आबादी और आम गरीबों को कुछ नहीं मिल रहा

उन्होंने कहा कि भाजपा इसे हिंदू राष्ट्र कहती है लेकिन देश की 74 फीसदी आबादी और आम गरीबों को कुछ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, कि वे केवल थाली, घंटा बजाने, मोबाइल फोन दिखाने और भूख से मरने के लिए हैं। मुझे बताओ, क्या आपने राम मंदिर उद्घाटन में किसी गरीब, मजदूर, बेरोजगार या छोटे व्यवसायी को देखा है? मैंने केवल (गौतम) अडाणी जी, (मुकेश) अंबानी जी, अमिताभ बच्चन समेत फिल्मी सितारों और अन्य बड़े व्यवसायियों को देखा। अडाणी जी, अंबानी जी, उनकी पत्नी और बच्चे बड़े-बड़े बयान दे रहे थे।'' गांधी ने इसे आर्थिक अन्याय करार देते हुए कहा कि लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है और महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है, जबकि अडाणी और अंबानी चीन का सामान बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।

बंगाल में मनरेगा श्रमिकों की पीड़ा पर राहुल का प्रधानमंत्री को पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से संबंधित श्रमिकों की पीड़ा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है और उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि लंबित मजदूरी के भुगतान के लिए केंद्रीय धनराशि जारी की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने पत्र में इस बात का उल्लेख किया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत जब हाल ही में वह पश्चिम बंगाल गए थे तो पश्चिम बंग खेत मजदूर समिति नामक संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मनरेगा श्रमिकों की समस्याओं के बारे में उन्हें अवगत कराया था। राहुल गांधी ने दावा किया, मार्च, 2022 से पश्चिम बंगाल को केंद्रीय धन की रोक के कारण हमारे लाखों भाइयों और बहनों को एमजीएनआरईजीएस के तहत काम और मजदूरी से वंचित कर दिया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 10 फरवरी की तिथि वाले पत्र में कहा, मुझे बताया गया कि धन की कमी के कारण 2021 में बहुत सारे श्रमिकों को उनके काम के बदले में भुगतान नहीं किया गया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि 2021-22 में मनरेगा के तहत काम का लाभ उठाने वाले परिवारों की संख्या 75 लाख थी जो 2020-24 में घटकर 8,000 हो गई।

भारत रत्न के चुनावीकरण से एनडीए को कोई लाभ नहीं : अशोक गहलोत

मोदी सरकार की ओर से हाल ही में भारत रत्न पुरस्कार की घोषणा के बाद सियासी पारा गरमाया हुआ है। इसको लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी को जमकर निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि चुनावी साल में बीजेपी भारत रत्न पुरस्कार को लेकर राजनीतिकरण करने का प्रयास कर रही है। लेकिन इससे एनडीए को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने हमला करते हुए कहा कि भारत रत्न सम्मान का चुनावी कारण और राजनीतिकरण करने का आरोप भी लगाया है।भारत रत्न के मामले को लेकर गहलोत ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि 1 वर्ष में अधिकतम तीन भारत रत्न देने का नियम तोड़कर इस सम्मान का चुनावीकरण और राजनीतिकरण किया गया है। इसके अलावा सम्मान की गरिमा भी कम की गई है। यह सब चुनाव में फायदा लेने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इन फैसलों से एनडीए को कोई बड़ा लाभ मिल सकेगा। भारत रत्न पुरस्कार को लेकर गहलोत ने कहा कि भारत सरकार की ओर से पांच विभूतियों को भारत रत्न दिए जाने का हम स्वागत करते हैं। इन विभूतियों के लिए हमारे दिल में अथाह सम्मान है और इन्होंने देश के लिए अतुलनीय योगदान किया है।

प्रेम बरसाते हैं पाकिस्तानी : मणिशंकर अय्यर

कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व भारतीय राजनयिक मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान की तारीफ की है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान के लोग प्यार मिलने पर प्यार बरसाते हैं। मैं अब तक जिस भी देश में गया, वहां इतना खुले दिल से स्वागत नहीं किया गया, जितना पाकिस्तान में हुआ। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, अय्यर ने कहा- मेरे अनुभव से, पाकिस्तानी ऐसे लोग हैं जो शायद दूसरे पक्ष पर जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया करते हैं। यदि हम दोस्ती दिखाते हैं तो पाकिस्तानी उससे ज्यादा दोस्ती दिखाते हैं। यदि हम दुश्मनी दिखाते हैं तो वो ज्यादा दुश्मनी दिखाते हैं।

फारूक अब्दुल्ला को ईडी का समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पदाधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू हुई। अब्दुल्ला उस समय क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे, पर 2022 में केंद्रीय एजेंसी द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलब किया है। लोकसभा में श्रीनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले 86 वर्षीय व्यक्ति को पिछले महीने इसी मामले में तलब किया गया था। वह गर्मियों में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले पूछताछ के लिए बुलाए गए नवीनतम विपक्षी नेता हैं। इस मामले में जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन से संबंधित धन की कथित हेराफेरी शामिल है, जिसे स्पष्ट रूप से एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित विभिन्न लोगों के व्यक्तिगत बैंक खातों में स्थानांतरित किया जा रहा था। 2001 से 2012 के बीच, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट के विकास के लिए जेकेसीए को 112 करोड़ रुपये दिए थे।

नीतीश दशरथ के समान, मुझे जनता के बीच भेजा : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार के विश्वास प्रस्ताव के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव ने सीएम पर जमकर हमला किया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राजद नेता तेजस्वी यादव ने चर्चा के दौरान बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बोलते हुए कहा है कि सीएम रामायण के राजा दशरथ के समान हैं, नीतीश कुमार ने मुझे अपना बेटा माना है, तेजस्वी ने कहा कि दशरथ ने भगवान राम को वनवास भेजा था और नीतीश कुमार ने मुझे जनता के बीच में भेजकर उनकी बात सुनने और काम करने के लिए भेजा है, तेजस्वी यादव ने चर्चा के दौरान नीतीश कुमार को घेरते हुए कई सवाल पूछें।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि वंशवाद के कारण विवश होकर इनकी प्रताड़ना हमने देखी है। लोगों का नेचर और सिग्नेचर नहीं बदलता है, बिहार में ऐसे कई विधायक ऐसे हैं, जो क्षमतावान हैं, लेकिन उन्हें तवज्जो नहीं दी गई, मुझे पार्टी के नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी, हमने ईमानदारी से निर्वहन करने का प्रयास किया। विजय सिन्हा ने आपके शासनकाल में बिहार की जनता पलायन के लिए मजबूर हो गए, आप उस दिन को भूल चुके हैं, जब बिहार के शिक्षित युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्य जा रहे हैं, बिहार के डिप्टी सीएम ने राजद नेता व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा है कि ये आपलोग भूल गए, जब खेत लिखवाकर नौकरियां देते थे। भतीजा बिहार में झंडा बुलंद रखेगा।

तेजस्वी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, मानहानि मामला किया खारिज

नई दिल्ली। राजद नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव के खिलाफ दायर मानहानि मामले की शिकायत को खारिज कर दिया है। तेजस्वी यादव ने बीती 19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर गुजरातियों के लेकर दिया अपना बयान वापस ले लिया था। बीती 5 फरवरी को कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। तेजस्वी यादव ने बीते साल मार्च में अपने एक बयान में कहा था कि अब की परिस्थितियों में सिर्फ गुजराती ही ठग हो सकते हैं और उनकी धोखाधड़ी को माफ भी कर दिया जाएगा। तेजस्वी यादव के इस बयान के विरोध में गुजरात के रहने वाले हरेश मेहता ने मानहानि का मामला दर्ज कराया था। हरेश मेहता का आरोप था कि तेजस्वी यादव के बयान से गुजरातियों का अपमान हुआ है। इसके बाद मामले की सुनवाई अहमदाबाद की कोर्ट में चल रही थी। तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले को गुजरात से बाहर और प्राथमिक तौर पर दिल्ली शिफ्ट करने की मांग की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए केएल राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत और इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले बड़ी खबर है कि, केएल राहुल बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने अंतिम तीन टेस्ट मैचों के लिए उन्हें भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया था लेकिन साथ ही साफ भी किया था कि उनका खेलना फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगा। केएल राहुल राजकोट टेस्ट के लिए फिट नहीं हैं।

उनकी जगह खेलेंगे देवदत्त पडिक्कल

बोर्ड की मेडिकल टीम ने चयनकर्ताओं से कहा है कि राहुल के खेलने पर फैसला लेने के लिए उन्हें 1 हफ्ता और चाहिए, वह उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए हैं। साथ ही रिपोर्ट में बताया गया है कि बोर्ड ने केएल राहुल की जगह तीसरे टेस्ट के लिए कर्नाटक के ही बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को शामिल किया है। अजीत अगर हाल ही में रणजी का मैच देखने स्टेडियम पहुंचे थे, जहां देवदत्त ने 151 रनों की पारी खेली थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल अच्छी फॉर्म में भी है। बोर्ड मेडिकल टीम ने रविंद्र जडेजा को तीसरे टेस्ट के लिए फिट करार दे दिया है। रविंद्र जडेजा राजकोट में टीम इंडिया के साथ अभ्यास शुरू भी कर चुके हैं। जडेजा भी दूसरे टेस्ट से चोटिल होकर बाहर थे और एनसीए में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। भारत वर्सेस इंग्लैंड तीसरा टेस्ट राजकोट में 15 फरवरी से खेला जाएगा।

फोटो: सुमित कुमार

हाईकोर्ट में पैरवी न होने से नाराज अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री के आवास का किया घेराव

लखनऊ। अभ्यर्थी बीते 600 से अधिक दिनों से लखनऊ के ईको गार्डन में 6800 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। मंगलवार को अभ्यर्थी सरकार पर हाइकोर्ट में लचर पैरवी करने का आरोप लगाते हुए बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास पहुंचे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि हाइकोर्ट में चल रही सुनवाई में सरकारी अधिवक्ता ठीक ढंग से पैरवी न करके उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे विजय प्रताप ने बताया कि 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए जारी लिस्ट को आये हुए दो साल होने को हैं लेकिन अभी तक नियुक्ति नहीं मिली और जब इस मामले में हाइकोर्ट में सुनवाई चल रही है तो सुनवाई के दौरान सरकारी अधिवक्ता जानबूझकर लीपापोती वाली बहस करके हमारे भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

नौसैनिकों की रिहाई का झूठा क्रेडिट ले रहे हैं पीएम: स्वामी

» कतर से छूटे आठ पूर्व सैनिकों को छुड़ाने का श्रेय शाहरुख खान को दे रहे हैं भाजपा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी अपनी ही पार्टी के बारे में बयानबाजी करके हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले पीएम मोदी जो कुछ भी कर रहे हैं उस पर अपने बयानों से सुब्रमण्यम स्वामी पानी बिखेर रहे हैं।

हाल ही में कतर से भारत लौटे पूर्व नौसेना के 8 सैनिकों से पूरे देश में खुशहाली हैं। कतर से वापस लौटे सैनिकों को देख उनका परिवार और पूरा देख खुश है और मोदी सरकार की तारीफ कर रहा हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी इस पूरे कार्य का क्रेडिट पीएम मोदी को नहीं बल्कि किसी और को ही दे रहे हैं। इस ट्वीट पर कमेंट करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने पीएम मोदी पर कटाछ करते हुए 8 नौसेना के सैनिकों की कतर से वापसी का क्रेडिट बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को दे दिया। सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्वीट करते हुए कहा कि मोदी अपनी कूटनीति के कतर में कुछ भी हासिल नहीं कर सके। नौसेना के पूर्व सैनिकों की वापसी के लिए शाहरुख खान ने बातचीत की हैं। उन्होंने ट्वीट करके लिखा- पीएम मोदी को सिनेमा स्टार शाहरुख खान को अपने साथ कतर ले जाना चाहिए क्योंकि विदेश मंत्रालय और एनएसए कतर के शेखों को मनाने में विफल रहे थे। आखिर में पीएम मोदी ने शाहरुख खान से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया, और इस तरह हमारे नौसेना अधिकारियों को मुक्त करने के लिए कतर शेखों से एक महंगा समझौता किया।

फोटो: 4पीएम

श्रद्धा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर मंदिर के लिए लाये गये शालिग्राम शिला की प्रदेश कार्यालय में पूजा अर्चना की। इस मौके पर सांसद डिंपल यादव, जया बच्चन, शिवपाल यादव, पूर्व मंत्री पवन पांडेय भी उपलब्ध रहे।

मृतक शीतल की मां ने नगर निगम पर लगाया आरोप, कहा-

मकान सील न करते तो बच जाती मेरे बेटे की जान

» 20 हजार रुपये जमा करने के बाद नगर निगम ने खोली घर की सील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम की तरफ से मृतक शीतल कश्यप के घर की सील को खोल दी गई है। उनके घर के साथ-साथ अन्य घरों पर चस्पा नोटिस को भी फाड़ दिया। हालांकि इस बारे में एडीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि क्लीनचिट नहीं दी गई है। जांच की जा रही है। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

बैरागी टोला में नगर निगम ने मृतक ई रिक्शा चालक शीतल कश्यप के मकान को बीते शुक्रवार गृहकर बकाया होने पर मकान सील कर दिया था। उस दौरान शीतल का ई रिक्शा भी अंदर बंद हो गया था इसके कारण शीतल काफी परेशान हो गया और नाराज होकर फांसी लगा ली थी। घटना से

नाराज शीतल के परिवारजन ने हैदरगंज तिराहे के पास नगर निगम की टीम के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर बाजारखाला थाने में उनके खिलाफ तहरीर भी दी थी। घटना को लेकर सोमवार को नगर निगम जोन 6 से राकेश प्रताप सिंह व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विकास शुक्ला शीतल के घर पहुंचे और चस्पा नोटिस हटाकर सील घर को खोल दिया। नगर निगम के जोनल अधिकारी 6 मनोज यादव का कहना है कि 20 हजार रुपये जमा होने पर सील खोली गई है। मृतक के भाई दीपू का कहना है कि हम लोगों ने कोई पैसा नही जमा किया ना इसकी जानकारी है हम लोगों को पैसा किसने जमा किया शीतल की मां फूला देवी ने कहा कि कर्मचारी घर के अंदर शीतल का ई-रिक्शा सील न करते तो हमारा शीतल साथ होता।

शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार ने अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता देने और पार्टी का प्रतीक आवंटित करने के भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के फैसले पर आज सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

समूह के लिए घड़ी। 6 फरवरी को चुनाव आयोग का फैसला पार्टी सुप्रीमो के लिए एक बड़ा झटका था। अगले दिन, चुनाव आयोग ने शरद पवार के एनसीपी गुट को एक नया नाम आवंटित किया - राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार। गुट द्वारा निम्नलिखित नाम प्रस्तुत करने के बाद निर्णय लिया गया- शरद पवार कांग्रेस, एमआई राष्ट्रवादी, शरद स्वाभिमानी और तीन प्रतीक - चाय का कप, सूरजमुखी और उगता सूरज।

» कहा-हमारी पार्टी दूसरों को दे दी

पुणे में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, शरद पवार ने कहा कि चुनाव आयोग ने पार्टी को उसके संस्थापकों के हाथों से छीन लिया और इसे दूसरों को दे दिया। कांग्रेस से अलग होने के बाद 1999 में एनसीपी की स्थापना करने वाले पवार ने कहा, चुनाव आयोग ने पार्टी को उन लोगों के हाथों से छीन लिया जिन्होंने इसे स्थापित किया और इसे दूसरों को दे दिया, देश में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

कल राज्यसभा के लिए नामांकन कर सकती हैं सोनिया गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी के आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने की संभावना है, जिसमें वह अपनी लोकसभा सीट बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा को सौंप देंगी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 27 फरवरी को उत्तर भारत की सीट से राज्यसभा चुनाव लड़ेंगी। जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी 14 फरवरी को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करेंगी। वह राजस्थान या हिमाचल प्रदेश से अपना नामांकन दाखिल कर सकती हैं।

» प्रियंका गांधी को रायबरेली से चुनाव लड़ाने की तैयारी

यदि सोनिया गांधी राज्यसभा में जाती हैं तो रायबरेली से आगामी चुनाव में प्रियंका मैदान में उतर सकती है। यदि सोनिया गांधी राज्यसभा सीट के लिए राजी हो जाती हैं, तो यह 77 वर्षीय नेता के लिए उच्च सदन में पहला कार्यकाल होगा, जो पांच बार लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। अगर प्रियंका गांधी रायबरेली की लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ती हैं तो यह उनका पहला चुनाव होगा। सोनिया गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि यह आखिरी बार है जब वह आम चुनाव लड़ रही हैं।

चव्हाण का कांग्रेस छोड़ना बेटे का अपनी मां को छोड़ने जैसा: राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अशोक चव्हाण का कांग्रेस छोड़ना एक बेटे का अपनी मां को छोड़ने जैसा है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस छोड़ने की घोषणा की। राउत ने मुंबई में पत्रकारों से कहा, अगर 1975 से 1977 के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे कद्दावर नेता शंकरराव चव्हाण का बेटा कांग्रेस छोड़ता है, तो यह एक बेटे का अपनी मां को छोड़ने जैसा है।

चव्हाण के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच, राउत ने कहा कि भाजपा ने आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले में नांदेड़ के कद्दावर नेता को दोषी ठहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। राउत ने कहा, हमें अशोकराव पर भरोसा है। कल तक वह हमारे साथ थे। सीट बंटवारे की बैठक के दौरान मराठवाड़ा में कुछ सीटों के बारे में उनकी राय बहुत दृढ़ थी, जिससे पता चलता है कि वह अब भी हमारे साथ हैं।

कांग्रेस छोड़ने की चर्चा बेबुनियाद और झूठ : संजय निरुपम

महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण के इस्तीफे से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। ऐसी चर्चाएं हैं कि महाराष्ट्र कांग्रेस के कई अन्य बड़े नेता भी पार्टी छोड़ सकते हैं। इन नेताओं में संजय निरुपम के नाम की भी चर्चा है, लेकिन अब खुद संजय निरुपम ने साफ कर दिया है कि ये बेबुनियाद और झूठी अफवाह है उन्होंने कहा, अफवाहों पर आधारित यह खबर निंदनीय है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।